केन्द्रीयविद्यालय,एन.डी.ए.,पुणे-23

आवधिक परीक्षा (प्रथम)[2018-19]

विषय - हिन्दी

अंक 40- - कक्षा-नवमी अवधि 90 -मिनट

निर्देश :*सभी प्रश्न अनिवार्य हैं|

*सुलेख एवं शुद्धता का ध्यान दें |

खण्ड-क

प्रश्न 1) निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

हे ग्राम देवता ! नमस्कार !
सोने चाँदी से नहीं
तुमने मिट्टी से किया प्यार
हे ग्राम देवता ! नमस्कार !
श्रम वैभव के बल पर करते हो
जड़ में चेतन का विकास
दानों-दानों से फूट रहे
सौ-सौ दानों के हरे हास
यह है पसीनों की धारा
यह गंगा की धवल धार
हे ग्राम देवता ! नमस्कार !
तुम जनमन के अधिनायक हो
तुम हँसो कि फूले-फले देश
आओ, सिंहासन पर बैठो
यह राज्य तुम्हारा है आशीष !

क) ग्राम देवता किसे कहा गया है ? 1

ख) ग्राम देवता किससे प्यार करता है ? 1

ग) किसान को 'सिंहासन का अधिकारी' क्यों कहा है ? 2

घ) 'अधिनायक' शब्द से उपसर्ग और मूल शब्द छाँटकर लिखिए| 1

प्रश्न 2) निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :

(अ) 'अपमान' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग एवं मूल शब्द लिखिए । 1

(आ) 'वि' उपसर्ग से एक शब्द बनाइए । 1

(इ) 'भारतीय' शब्द से मूल शब्द एवं प्रत्यय अलग कीजिए । 1

(ई) 'पन' प्रत्यय से दो शब्द बनाइए । 1

प्रश्न 3) निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह करके समास का नाम लिखिए --------- 3

जीव-जंतु, युद्धक्षेत्र ,माता-पिता

प्रश्न 4) पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार बताइए : 3

क-. काम-सा रूप, प्रताप दिनेश-सा ।

सोम-सा शील है राम महीप का ॥

ख-. सुरभित सुन्दर सुखद सुमन तुझ पर खिलते हैं ।

ग- तीन बेर खाती थी वे तीन बेर(खाती है

प्रश्न 5) आप छात्रावास (होस्टल) में हैं । परीक्षा प्रक्रिया में आए बदलावों के विषय में बताते हुए अपने पिताजी को पत्र लिखिए । 5

खण्ड-ख

प्रश्न -6निम्नांकित गदयांश पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिये। -

झूरी काछी के दोनोंबैलों के नाम थे हीरा और मोतीदोनों |पछाई जाति के थे - देखने में सुन्दर काम , में चौकस ,डील में ऊंचे बहुत| दिनों साथ साथ रहते दोनों में भाई चाराहो गया था दोनों| आमने सामने या आस पास बैठे हुए एक दूसरे से मूक भाषा में विचार विनिमय करते थे दूसरे ,एक | के मन की बात कैसे समझ जाता था , हम नहीं कह सकते अवश्य| ही उनमें कोई ऐसी गुप्त शक्ति थीजिससे, जीवों में श्रेष्ठता का दावा करने वाला मनुष्य वंचित था दोनों| एक दूसरे को चाटकर या सूंघकर अपना प्रेम प्रकट करते कभी , कभी दोनों सींग भी मिला लियाकरते थे -विग्रह के नाते से नहीं केवल , विनोद के भाव से आत्मीयता , के भाव से जैसे दोस्तों में घनिष्ठता होते ही धौल धप्पा-होने लगता है इसके बिना दोस्ती कुछ फुसफुसी कुछ ,हल्की सी रहती है , जिस पर ज्यादा विश्वास नहीं किया जा सकता |

प्रश्न- क(कहानी तथा कहानीकार का नाम लिखिए | 1

ख- हीरा और मोती की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए| 2

ग- हीरा और मोती विचार विनिमय कैसे करते थे ? 2

प्रश्न 7) निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखें : 5x2=10

क) हीरा और मोती की मित्रता को देखकर आपको उनसे क्या-क्या शिक्षा मिलती है ?

ख) लेखक ने तिब्बत की यात्रा के दौरान किन मुश्किलों का सामना किया ?

ग) हमारे जीवन पर उपभोक्तावाद संस्कृति का क्या प्रभाव पड़ा है ?

घ) किसी भी मनुष्य की पहचान उसके कुल से होती है या उसके कर्मों से? तर्क सहित उत्तर दें।

ङ) कवयित्री ने मनुष्य के हृदय की अज्ञानता का बंद द्वार खोलने का क्या उपाय सुझाया है ?

च) कवयित्री का 'घर जाने की चाह' से क्या तात्पर्य है ?

छ)) मनुष्य ईश्वर को कहाँ -कहाँ ढूंढता है ?

ज) कांजीहौस में कैद पशुओं की हाजिरी क्यों ली जाती होगी ?

प्रश्न 8) काव्यांश पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

मानुष हौं तो वही रसखानिबसौं ब्रज गोकुल गाँव के ग्वारन ।
जौ पसुहौं तो कहा बस मेरो, चरौं नित नन्द की धेनु मंझारन॥
पाहनहौं तो वही गिरि को जो कियोहरिछत्रपुरंदरधारन ।
जौ खग हौं तो बसेरोकरौंमिलि कालिंदी कूल कदम्ब की डारन ॥

i) रसखान मनुष्य का जन्म दुबारा मिलने पर कहाँ रहना चाहते हैं?1

ii) कवि पशु और पत्थर बनने पर क्या चाहता है? 2

iii) यह सवैया किसके द्वारा रचित हैं तथा इसकी भाषा क्या हैं ? 2